आपके माध्यम से मंत्री जी से यह कहना चाहता हूं कि एक किसान खेती करता है और थकता है, या मजदूर मजदूरी करने के बाद थकता है तो बीड़ी पीता है। इससे उनका स्वास्थ्य भी खराब होता है। तो आपके पास ऐसा कोई विकल्प है कि बीड़ी के बजाय आप उनको वह दे सके और साथ में उनका स्वास्थ्य भी ठीक रहे तथा थकान के बाद वे फिर से काम कर सकें।

THE DEPUTY CHAIRMAN: Is there any proposal?

SHRI PABAN SINGH GHATOWAR: Madam, I do not think that there are any such proposals to give like this because it is the firm view of the Health Ministry to discourage the use of tobacco among the people of our country. There is no such proposal and there is no alternative also. I say this because, I think, all the honourable Members would recall that even before our Independence, the Father of the Nation had started an agitation against the use of opium. In those days, hundreds of thousands of acres of land was being used to cultivate opium. But, gradually, the cultivators shifted to other crops because you cannot compromise with the health of the people of the country.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Question No.286.

*286. *[The Questions (Shri Ramdas Agarwal) was absent. For answer vide col. 29 infra]*

THE DEPUTY CHAIRMAN: Question No.287.

**पान-मसाले में सैकरीन का इस्तेमाल**

***287. श्रीमती सुषमा स्वराज†**
**डा॰ जिनेन्द्र कुमार जैन:**

क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि देश में कार्यरत अनेक खाद्य अनुसंधान संस्थानों ने पान-मसाले में शर्करा (सैकरीन) या उससे उत्पादित अन्य सामग्री के इस्तेमाल का विरोध किया है क्योंकि उससे कैंसर हो सकता है; और

(ख) यदि हां, तो इन संस्थाओं के नाम क्या हैं; और सरकार द्वारा उनकी सलाह को अस्वीकार कर पान-मसाला विनिर्माताओं को शर्करा (सैकरीन) या उससे उत्पादित अन्य सामग्री को पान-मसाले में उपयोग करने की छूट देने के क्या कारण हैं?

**स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (श्री बी॰ शंकरानंद):** (क) और (ख) पान मसाले में सैकरीन के प्रभाव के बारे में अलग-अलग विचारों के कारण सरकार ने इस विषय पर विभिन्न अध्ययनों और सामग्री की जांच करने के लिए स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक की अध्यक्षता में एक विशेषज्ञ ग्रुप की नियुक्ति की। विशेषज्ञ ग्रुप के सदस्यों द्वारा व्यक्त किए गये विभिन्न विचारों को ध्यान में रखते हुए इस मामले को विशेषज्ञ राय के लिए महानिदेशक, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद को भेजा गया। दी गई राय इस प्रकार थी:—

(1) पान मसाले और सुपारी में उत्परिवर्तजनीयता होती है।

(2) जितनी मात्राओं में सैकरीन का प्रयोग किया गया है उनसे पान मसाले और सुपारी में उत्परिवर्तजनीयता नहीं बढ़ती।

---

THE DEPUTY CHAIRMAN: Question hour is over

**WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS**

**राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में आरक्षित पदों का भरा जाना**

***283. श्री कामेश्वर पासवान:** क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में वरिष्ठ प्रालेखन अधिकारी के पद (आरक्षित) को, जिसे दिनांक 25 फरवरी, 1993 को विज्ञापित किया गया था, उसे अनारक्षित पद घोषित किए जाने के पश्चात् 17 मई 1993 को पुनः विज्ञापित किया गया; और

(ख) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं?

**स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (श्री बी॰ शंकरानन्द):** (क) और (ख) राष्ट्रीय स्वास्थ्य

* सभा में यह प्रश्न श्रीमती सुषमा स्वराज द्वारा पूछा गया

और परिवार कल्याण संस्थान में वरिष्ठ अभिलेख अधिकारी का कोई पद नहीं है। संस्थान में वरिष्ठ प्रलेखन अधिकारी का पद है जिसे पहले आरक्षित रिक्ति के रूप में विज्ञापित किया गया था और बाद में फिर से विज्ञापित किया गया। राष्ट्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण संस्थान द्वारा की गई कार्रवाई पर सरकार विचार कर रही है।

**Foreign Visits of Prime Minister**

*286. SHRI RAMDAS AGARWAL: will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) what are the countries which the Prime Minister visited during the last six months;

(b) the details of the bilateral/ multilateral issues figured in his talks with heads of other countries and broad outcome thereof;

(c) whether any agreements were signed between India and these countries; and

(d) if so, the salient features of each of these agreements and the follow-up action taken by Government for their implementation so far?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI SALMAN KHURSHEED): (a) The following are the countries visited by Prime Minister during the last six months on dates mentioned against each:

Oman — June 15-17, 1993

Bhutan — August 21-22, 1993

China — September 6-9, 1993

Republic of Korea — September 9-11, 1993

Iran — September 20-22, 1993

(b) to (d) Information, country-wise, is as under:

OMAN:

(b) Discussions focussed on strengthening of bilateral relations. Views were also exchanged on several regional and international issues of common interest and concern. The two sides have agreed on the establishment of wide scope of cooperation in the oil and energy sector and re-confirmed their support for the construction of two oil refineries in India and a pipeline for natural gas from Oman to India. The Omani Oil will represent main resource of supply for the two joint venture refineries in India. Similarly, Omani gas will be the source for the proposed joint venture fertilizer plant to be based in Oman whose product will be marketed in India. The gas pipeline project between Oman and India, subject to techno-economic feasibility represent a major development in bilateral economic cooperation. The two sides also seized the opportunity provided by the visit of Prime Minister to exchange views on several regional and international issues, including Middle-East peace negotiations and the efforts made by both sides towards success of these negotiations, they expressed their continued support for the peace process.

(c) Two agreements and an MOU were signed during the visit, viz.: (i) Agreement on Economic, Trade and Technical Cooperation; (ii) Agreement on Cooperation in the field of Hydro Carbons; (iii) MOU on Cooperation in the field of Fertilizers.

(d) (i) Agreement on Economic, Trade and Technical Cooperation was signed to enhance bilateral cooperation between the two countries. The agreement envisages setting up of a joint commission.

(ii) An agreement on Cooperation in the field of Hydro-carbons sector was signed to provide strong impetus to mutually beneficial proposals to promote and facilitate investment proposals in the field of Hydro Carbons sector, Fertilizers and other areas.

(iii) The MOU for Cooperation in the field of Fertilizers was signed subsequent to an agreement initialled between the two countries in March, 1993. Consultations were held between the